Series : YZW1X

SET ~ 2

प्रश्न-पत्र कोड **29/1/2**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(II) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।

(III) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या* ***13*** *है ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में* ***तीन*** *खंड हैं –* ***खंड-'क', 'ख'*** *और* ***'ग'*** *।*

(iii) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

(iv) *दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(v) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खंड – क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8

जहाँ भूमि पर पड़ा कि
सोना धँसता, चाँदी धँसती
धँसती ही जाती पृथ्वी में
बड़ों-बड़ों की हस्ती ।
शक्तिहीन जो हुआ कि
बैठा भू पर आसन मारे
खा जाते हैं उसको
मिट्टी के ढेले हत्यारे

मातृभूमि है उसकी, जिसको
उठके जीना होता है,
दहन-भूमि है उसकी, जो
क्षण-क्षण गिरता जाता है,
भूमि खींचती है मुझको भी
नीचे धीरे-धीरे
किंतु लहराता हूँ मैं नभ पर
शीतल-मंद-समीरे ।

काला बादल आता है
गुरु गर्जन स्वर भरता है
विद्रोही-मस्तक पर वह
अभिषेक किया करता है ।
विद्रोही हैं हमीं, हमारे
फूलों से फल आते हैं
और हमारी कुर्बानी पर
जड़ भी जीवन पाते हैं ।

(i) 'धँसती ही जाती पृथ्वी में बड़ों-बड़ों की हस्ती' – पंक्ति का आशय है – 1

(A) पृथ्वी पर सब कुछ नश्वर है ।
(B) पृथ्वी में बड़े-बड़े समा जाते हैं ।
(C) शक्तिशालियों का जीवन क्षणभंगुर है ।
(D) शक्तिशालियों का अधः पतन निश्चित है ।

(ii) शक्तिहीन का क्या हश्र होता है ? **1**

(A) थक-हार कर बैठ जाता है ।

(B) लोग उनको पनपने नहीं देते ।

(C) लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाते ।

(D) अस्तित्व नष्ट हो जाता है ।

(iii) कविता के केंद्रीय भाव को दर्शाने वाले कथन है/हैं **1**

(I) संसार में जीने के लिए शक्तिशाली बनना पड़ेगा ।

(II) हार मानने वालों के लिए मातृभूमि मरण-भूमि के समान है ।

(III) यहाँ सब एक-दूसरे के विरोधी हैं ।

(A) केवल (I)

(B) केवल (II)

(C) (I) और (II) दोनों ही

(D) (I) और (III) दोनों ही

(iv) अपने को विद्रोही कौन और क्यों मानते हैं ? **2**

(v) इस काव्यांश के माध्यम से क्या सीख दी गई है ? **2**

(vi) गुरु गर्जना करने वाले बादलों का, वृक्षों के मस्तक पर अभिषेक करना क्या दर्शाता है ? **1**

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **10**

सौरमंडल में पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है, जिस पर जीवन संभव है । पृथ्वी और इसके पर्यावरण को बचाने के संकल्प के साथ 'पृथ्वी दिवस' हर साल 22 अप्रैल को दुनिया भर में मनाया जाता है । इसे मनाने की शुरुआत 1970 से हुई जब अमेरिका समेत कई देशों ने बिगड़ते पर्यावरण के मुद्दे की गंभीरता को समझा और पृथ्वी बचाने के लिए एक अभियान की शुरुआत हुई । उस कार्यक्रम में हरेक समाज, वर्ग और क्षेत्र के लोगों ने हिस्सा लिया था । इस वर्ष का 'पृथ्वी दिवस' पर्यावरण के आगे प्लास्टिक से उत्पन्न खतरे पर केंद्रित है, जिसमें एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को समाप्त करने और उसका विकल्प खोजने का आह्वान किया गया है ।

पृथ्वी पर जैसे-जैसे आबादी बढ़ती जा रही है, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की गति भी बढ़ती जा रही है । बढ़ते असंतुलन के कारण वह दिन बहुत दूर नहीं, जब पृथ्वी रहने लायक नहीं बचेगी । इसलिए ज़रूरी है कि सभी लोग जाग जाएँ, अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को समझें और पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्य निभाएँ । गांधीजी का मानना था कि पृथ्वी, वायु, जल और भूमि हमारे पूर्वजों की संपत्ति नहीं हैं, बल्कि वे हमारे बच्चों और आने वाली पीढ़ियों की अमानत हैं । हमें अपनी भावी पीढ़ियों को साफ-सुथरा पर्यावरण सौंपना होगा । गांधीजी का मानना था कि पृथ्वी के पास लोगों की ज़रूरतें पूरी करने के लिए तो पर्याप्त संसाधन हैं, लोभ की पूर्ति लायक नहीं ।

हमारी पारंपरिक मान्यता है कि पृथ्वी एक माँ की तरह है, जो मनुष्य, वनस्पति, जीव-जंतु समेत सभी प्राणियों को अपनी गोद में पालती है । मनुष्य भौतिक सुख भोगने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अविवेकपूर्ण दोहन करता जा रहा है जिससे इसकी जैव विविधता को भारी नुकसान पहुँच रहा है । धरती पर जीवन बनाए रखने के लिए धरती और पर्यावरण को बचाना बहुत ज़रूरी है । हमें गैर-नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने की बजाय नवीकरणीय संसाधनों जैसे सौर ऊर्जा,

पवन ऊर्जा, जल-विद्युत आदि पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए । प्रकृति के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना और उसकी सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाना आवश्यक है ।

(i) वर्ष 2024 का 'पृथ्वी दिवस' केंद्रित है – **1**

(A) पर्यावरण (B) प्लास्टिक

(C) जलवायु (D) प्रदूषण

(ii) गद्यांश में प्रयुक्त 'सभी लोग जाग जाएँ' का आशय है – **1**

(A) पृथ्वी की रक्षा के प्रति सचेत हो जाएँ ।

(B) समय पर अपने कर्तव्य की पूर्ति करें ।

(C) अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का पालन करें ।

(D) पारंपरिक अंधविश्वासों से मुक्त हो जाएँ ।

(iii) पृथ्वी की माँ से तुलना का आधार है – **1**

(A) पालन-पोषण का गुण

(B) रक्षा करने का गुण

(C) जन्म देने का गुण

(D) सहन करने का गुण

(iv) प्रकृति के प्रति गांधीजी का क्या दृष्टिकोण था ? **2**

(v) बढ़ती हुई आबादी के कौन-कौन से दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं ? **2**

(vi) गैर-नवीकरणीय ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा के बीच के अंतर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । **2**

(vii) प्रकृति की रक्षा प्रत्येक मनुष्य के लिए क्यों आवश्यक है ? **1**

खंड – ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)

3. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **100** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : **1 × 5 = 5**

(क) नाटक प्रतियोगिता में जब मैंने महिला पात्र का अभिनय किया

(ख) खेलों से प्रतिस्पर्धा की सच्ची भावना

(ग) वरिष्ठ व्यक्तियों के प्रति हमारे कर्तव्य

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(क) चित्रकला, संगीतकला या नृत्यकला की तरह कविता लेखन की कला सिखाई क्यों नहीं जा सकती ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) नाटक के मंच-निर्देश हमेशा वर्तमान काल में ही क्यों लिखे जाते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

(ग) कहानी में पात्रों के चरित्र-चित्रण का सबसे अधिक प्रभावशाली तरीका कौन सा है ? उदाहरण सहित लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(5)**

(क) पत्रकारिता की भाषा में मुखड़ा किसे कहते हैं ? इसका क्या महत्त्व है ?
(शब्द सीमा – लगभग **20** शब्द) **1**

(ख) “जनसंचार के माध्यम आपस में प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक और सहयोगी हैं ।” सिद्ध कीजिए । (शब्द सीमा – लगभग **40** शब्द) **2**

(ग) बीट किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । (शब्द सीमा – लगभग **40** शब्द) **2**

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(क) समाचार पत्र-पत्रिकाओं में विभिन्न विषयों और क्षेत्रों से संबंधित जानकारी को क्यों शामिल किया जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) दृश्य-श्रव्य माध्यमों की तुलना में मुद्रित माध्यम के पाठकों को कौन-कौन सी सुविधाएँ उपलब्ध हैं ?

(ग) 'खोजी रिपोर्ट' और 'इन डेप्थ रिपोर्ट' के अंतर को स्पष्ट कीजिए ।

खंड – ग

(पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल पर आधारित)

7. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(क) 'मैंने निज दुर्बल पद-बल, उससे हारी होड़ लगाई' 'देवसेना का गीत' से उद्धृत इस पंक्ति से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ?

(ख) 'इसी तरह भरता और खाली होता है यह शहर' पंक्ति के संदर्भ में बनारस शहर के 'भरने' और 'खाली' होने से क्या अभिप्राय है ?

(ग) 'तोड़ो' कविता का कवि क्या तोड़ने की बात करता है और क्यों ?

8. निम्नलिखित पठित काव्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

(क) पूस जाड़ थरथर तन काँपा । सुरुज जड़ाइ लंक दिसि तापा ।।
बिरह बाढ़ि भा दारुन सीऊ । कँपि कँपि मरौं लेहि हरि जीऊ ।।
कंत कहाँ हौं लागौं हियरै । पंथ अपार सूझ नहिं नियरें ।।
सौर सुपेती आवै जूड़ी । जानहुँ सेज हिवंचल बूढ़ी ।।

अथवा

(ख) यह मधु है – स्वयं काल की मौना का युग-संचय,
यह गोरस – जीवन-कामधेनु का अमृत-पूत पय,
यह अंकुर – फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय,
यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अयुतः इसको भी शक्ति को दे दो ।
यह दीप अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो ।

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कर लिखिए : **5 × 1 = 5**

पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े । नीरज नयन नेह जल बाढ़े ।।
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा । एहि तें अधिक कहौं मैं काहा ।।
मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ । अपराधिहु पर कोह न काऊ ।।
मो पर कृपा सनेहु बिसेखी । खेलत खुनिस न कबहूँ देखी ।।
सिसुपन तें परिहरेउँ न संगू । कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू ।।
मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जोही । हारेंहूँ खेल जितावहिं मोंही ।।
महूँ सनेह सकोच बस सनमुख कही न बैन ।
दरसन तृपित न आजु लगि पेम पिआसे नैन ।।

(i) 'कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू' पंक्ति के माध्यम से राम के प्रति भरत के किस विश्वास का परिचय मिलता है ?

(I) राम उनके आग्रह पर अयोध्या लौट चलेंगे ।

(II) राम भरत से बहुत प्रेम करते हैं ।

(III) राम उनका मन नहीं तोड़ेंगे ।

(IV) राम उन्हें क्षमा कर देंगे ।

विकल्प :

(A) केवल (I)

(B) केवल (III)

(C) (I) और (III) दोनों

(D) (II) और (IV) दोनों

(ii) राम की किस प्रकृति का वर्णन यहाँ किया गया है ?

(A) कृपापूर्ण

(B) क्षमापूर्ण

(C) दयापूर्ण

(D) प्रेमपूर्ण

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : भरत ने राम के सम्मुख कभी मुँह नहीं खोला ।

कारण : शिष्टाचार की परंपरा रही है कि बड़ों के सामने विनम्रता का व्यवहार किया जाता है ।

(A) कथन गलत है किंतु कारण सही है ।

(B) कथन और कारण दोनों गलत हैं ।

(C) कथन सही है किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है ।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या है ।

(iv) भरत ने राम के स्वभाव की किस विशेषता का उल्लेख किया है ?

(A) दूसरों पर दया करने की

(B) शत्रु को क्षमा करने की

(C) अपराधी पर भी क्रोध न करने की

(D) शरणागत पर कृपा करने की

(v) 'पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े' – पंक्ति के माध्यम से किसकी मनोदशा का वर्णन किया गया है ?

(A) भरत (B) राम

(C) लक्ष्मण (D) कैकेयी

10. निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

(क) हरगोबिन को अचरज हुआ – तो आज भी किसी को संवदिया की ज़रूरत पड़ सकती है । इस ज़माने में जबकि गाँव-गाँव में डाकघर खुल गए हैं, संवदिया के मारफ़त संवाद क्यों भेजेगा कोई ? आज तो आदमी घर बैठे ही लंका तक खबर भेज सकता है और वहाँ का कुशल संवाद मँगा सकता है । फिर उसकी बुलाहट क्यों हुई ?

हरगोबिन बड़ी हवेली की टूटी ड्योढ़ी पारकर अंदर गया । सदा की भाँति उसने वातावरण को सूँघकर संवाद का अंदाज़ लगाया ।....निश्चय ही कोई गुप्त समाचार ले जाना है । चाँद-सूरज को भी नहीं मालूम हो । परेवा-पंछी तक न जाने ।

"पाँव लागी, बड़ी बहुरिया ।"

बड़ी हवेली की बड़ी बहुरिया ने हरगोबिन को पीढ़ी दी और आँख के इशारे से कुछ देर चुपचाप बैठने को कहा । बड़ी हवेली अब नाममात्र को ही बड़ी हवेली है । जहाँ दिनरात नौकर-नौकरानियों और जन-मज़दूरों की भीड़ लगी रहती थी, वहाँ आज हवेली की बड़ी बहुरिया अपने हाथ से सूपा में अनाज लेकर फटक रही है ।

अथवा

(ख) कहीं कहीं अज्ञात नाम–गोत्र झाड़–झंखाड़ और बेहया–से पेड़ खड़े अवश्य दिख जाते हैं पर और कोई हरियाली नहीं । दूब तक सूख गई है । काली–काली चट्टानें और बीच–बीच में शुष्कता की अंतर्निरुद्ध सत्ता का इज़हार करने वाली रक्ताभ रेती ! रस कहाँ है ? ये जो ठिगने से लेकिन शानदार दरख्त गरमी की भयंकर मार खा–खाकर और भूख–प्यास की निरंतर चोट सह–सहकर भी जी रहे हैं, इन्हें क्या कहूँ ? सिर्फ जी ही नहीं रहे हैं, हँस भी रहे हैं । बेहया हैं क्या ? या मस्तमौला हैं ? कभी–कभी जो लोग ऊपर से बेहया दिखते हैं, उनकी जड़ें काफ़ी गहरी, पैठी रहती हैं । ये भी पाषाण की छाती फाड़कर न जाने किस अतल गह्वर से अपना भोग्य खींच लाते हैं ।

11. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए : **5 × 1 = 5**

मेरे पिताजी फ़ारसी के अच्छे ज्ञाता और पुरानी हिंदी कविता के बड़े प्रेमी थे । फ़ारसी कवियों की उक्तियों को हिंदी कवियों की उक्तियों के साथ मिलाने में उन्हें बड़ा आनंद आता था । वे रात को प्रायः रामचरितमानस और रामचंद्रिका, घर के सब लोगों को एकत्र करके बड़े चित्ताकर्षक ढंग से पढ़ा करते थे । आधुनिक हिंदी–साहित्य में भारतेंदु जी के नाटक उन्हें बहुत प्रिय थे । उन्हें भी वे कभी–कभी सुनाया करते थे । जब उनकी बदली हमीरपुर ज़िले की राठ तहसील से मिर्ज़ापुर हुई तब मेरी अवस्था आठ वर्ष की थी । उसके पहिले ही से भारतेंदु के संबंध में एक अपूर्व मधुर भावना मेरे मन में जगी रहती थी । 'सत्य हरिश्चंद्र' नाटक के नायक राजा हरिश्चंद्र और कवि हरिश्चंद्र में मेरी बाल–बुद्धि कोई भेद नहीं कर पाती थी ।

(i) लेखक के पिता की किसमें रुचि थी ?

(A) फ़ारसी और हिंदी भाषा मिलाने में

(B) फ़ारसी और हिंदी गद्य मिलाने में

(C) नाटक और कविता मिलाकर पढ़ने में

(D) हिंदी-फ़ारसी भाषा की उक्तियाँ मिलाने में

(ii) गद्यांश में रामचरितमानस और रामचन्द्रिका का उल्लेख क्यों किया गया है ?

(A) हिंदी साहित्य के विराट रूप का परिचय देने के लिए ।

(B) घर के धार्मिक वातावरण का उल्लेख करने के लिए ।

(C) लेखक के पिता की भक्ति भावना का उल्लेख करने के लिए ।

(D) घर के साहित्यिक परिवेश से परिपूर्ण वातावरण का उल्लेख करने के लिए ।

(iii) लेखक के मन में भारतेंदु के संबंध में मधुर भावना जागने का कारण था –

(A) पिता द्वारा चित्ताकर्षक ढंग से उनके नाटकों का सुनाया जाना ।

(B) हिंदी साहित्य जगत के प्रसिद्ध कवि और नाटककार होना ।

(C) बचपन में सत्य हरिश्चंद्र नाटकों का मंचन करना ।

(D) बचपन में सत्य हरिश्चंद्र के नाटकों का मंचन देखना ।

(iv) गद्यांश में प्रयुक्त 'अवस्था' शब्द का अर्थ है –

(A) हालत (B) दशा

(C) आयु (D) स्थिति

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : बचपन में लेखक राजा हरिश्चंद्र और कवि हरिश्चंद्र में कोई अंतर नहीं कर पाता था ।

कारण : लेखक की बाल–बुद्धि नाम की समानता के कारण दोनों को एक ही समझती थी ।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं ।

(B) कारण सही है लेकिन कथन गलत है ।

(C) कथन सही है लेकिन कारण गलत है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

12. गद्य खंड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में दीजिए : **2 × 2 = 4**

(क) 'हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति शुक्ल जी का रुझान बाल्यकाल से था ।' 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ के आधार पर पुष्टि कीजिए ।

(ख) हरगोबिन का काम ही था संवाद पहुँचाना, फिर भी उसके कदम बड़ी बहुरिया के मैके की ओर क्यों नहीं बढ़ रहे थे ? 'संवदिया' पाठ के संदर्भ में लिखिए ।

(ग) 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ में लेखक ने धान के खेतों में काम करने वाली औरतों की तुलना किनके साथ की है ? स्पष्ट करते हुए दोनों के बीच का अंतर लिखिए ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में लिखिए : **2 × 5 = 10**

(क) 'अब भैरों के घर न जाऊँगी, अलग रहूँगी और मेहनत मजूरी करके जीवन का निर्वाह करूँगी' – कथन के संदर्भ में सुभागी के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) 'डग-डग रोटी पग-पग नीर' वाले मालवा की वर्तमान स्थिति 'अपना मालवा खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । स्थिति के कारणों को स्पष्ट करते हुए यह भी लिखिए कि इसे कैसे सुधारा जा सकता है ?

(ग) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में वर्णित ग्रामीण जीवन की झाँकी प्रस्तुत कीजिए ।